क्लाइमेट जस्टिस लीग

chintan
environmental research and action group

FRIEDRICH EBERT STIFTUNG

आभार सूची

कहानी
भारती चतुर्वेदी
अल्फा टोप्पो
श्रुति सिन्हा
रेहान तिर्मिज़ी
यश बुधवार

पटकथा
जयप्रकाश चौधरी
भारती चतुर्वेदी
अल्फा टोप्पो
श्रुति सिन्हा
रेहान तिर्मिज़ी
यश बुधवार

डिजाइन और चित्रण
कोकीला भट्टाचार्य

आवरण पृष्ठ
कोकीला भट्टाचार्य

रचना
चिंतन पर्यावरण अनुसंधान और कार्य समूह

प्रायोजक
फ्रेडरिक एबर्ट स्टिफ्टुंग

जंगल में इतनी आग क्यों लगी है? स्मॉग मेरी शक्तियों को सीमित कर रहा है। कुछ नहीं दिख रहा । कितनी धुंध है ।
आह !! मेरी आंखे जल रही
आज कल मुझे इतनी कमजोरी क्यों महसूस होती है । क्या मेरी शक्तियाँ कम हो रही हैं? ये मुझे क्या हो रहा?
अरे मिस्टर बालशाली, ये जलवायु परिवर्तन का असर है, शक्तियां तो कम होगी ही। उस जैसा खलनायक आज तक इस दुनिया ने देखा ही कहां है?
कार्बन चुपके बालशाली को देखता है
“आज तो दिन ही इतना मनहूस है। ये क्या हो रहा है? ये बेचारे जानवर भी जल रहे हैं और इनका घर भीकैसे बचाऊं मैं?"
बलशाली जंगल को जलते हुए देख बहुत परेशान है। जानवरों की चीख सुनकर वो अत्यंत दुखित है और खुद को असहाय पाकर कहता है
इमरजेंसी अलर्ट/ आपतकालिन घटना- आप अभी लोकेशन पर पहुंचे

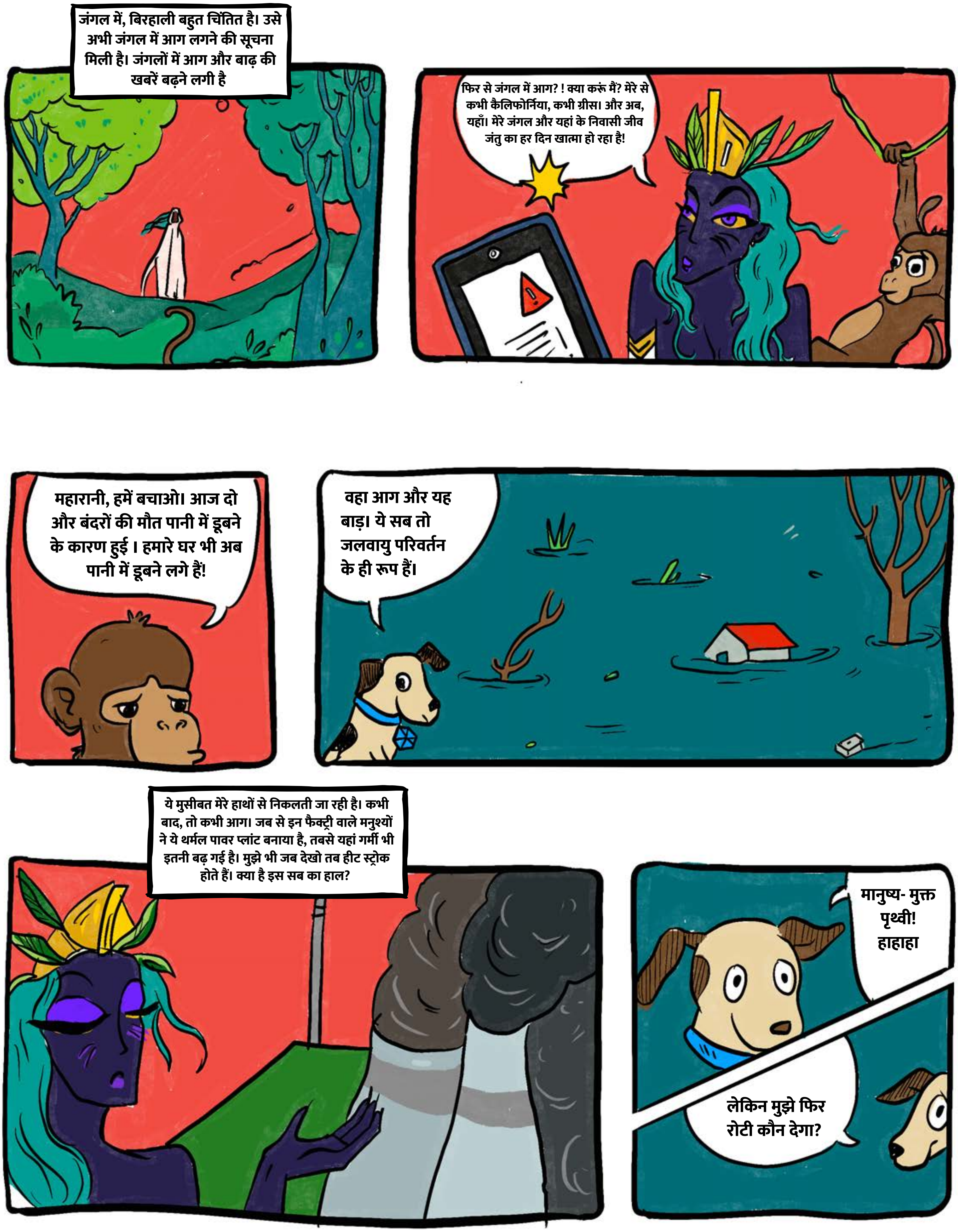
जंगल में, बिरहाली बहुत चिंतित है। उसे अभी जंगल में आग लगने की सूचना मिली है। जंगलों में आग और बाढ़ की खबरें बढ़ने लगी है
फिर से जंगल में आग? ! क्या करूं मैं? मेरे से कभी कैलिफोर्निया, कभी ग्रीस। और अब, यहाँ। मेरे जंगल और यहां के निवासी जीव जंतु का हर दिन खात्मा हो रहा है!
महारानी, हमें बचाओ। आज दो और बंदरों की मौत पानी में डूबने के कारण हुई । हमारे घर भी अब पानी में डूबने लगे हैं!
वहा आग और यह बाड़। ये सब तो जलवायु परिवर्तन के ही रूप हैं।
ये मुसीबत मेरे हाथों से निकलती जा रही है। कभी बाद, तो कभी आग। जब से इन फैक्ट्री वाले मनुश्यों ने ये थर्मल पावर प्लांट बनाया है, तबसे यहां गर्मी भी इतनी बढ़ गई है। मुझे भी जब देखो तब हीट स्ट्रोक होते हैं। क्या है इस सब का हाल?
मानुष्य- मुक्त पृथ्वी! हाहाहा
लेकिन मुझे फिर रोटी कौन देगा?

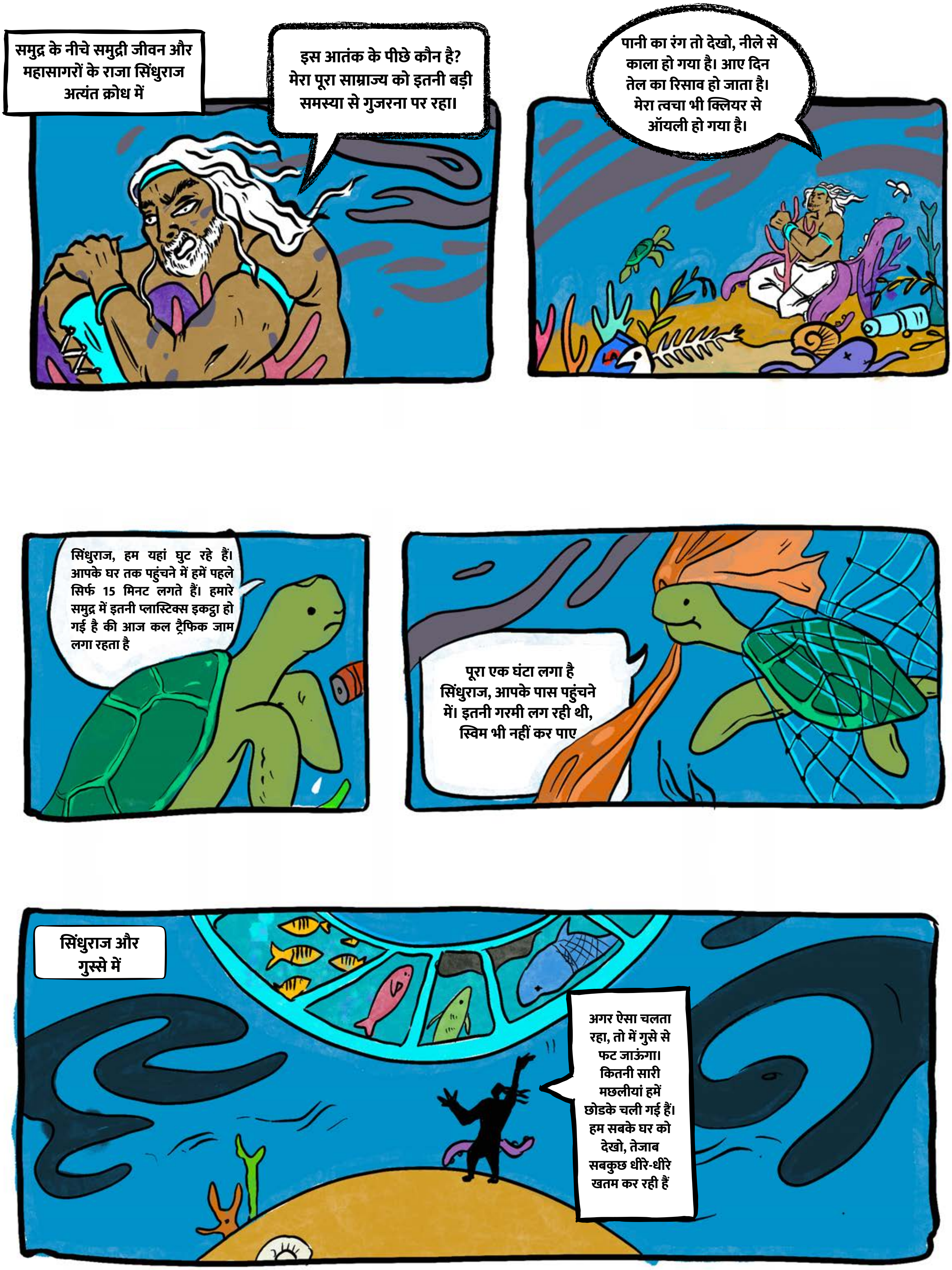

समुद्र के नीचे समुद्री जीवन और महासागरों के राजा सिंधुराज अत्यंत क्रोध में
इस आतंक के पीछे कौन है? मेरा पूरा साम्राज्य को इतनी बड़ी समस्या से गुजरना पर रहा।
पानी का रंग तो देखो, नीले से काला हो गया है। आए दिन तेल का रिसाव हो जाता है। मेरा त्वचा भी क्लियर से ऑयली हो गया है।
सिंधुराज, हम यहां घुट रहे हैं। आपके घर तक पहुंचने में हमें पहले सिर्फ 15 मिनट लगते हैं। हमारे समुद्र में इतनी प्लास्टिक्स इकट्ठा हो गई है की आज कल ट्रैफिक जाम लगा रहता है
पूरा एक घंटा लगा है सिंधुराज, आपके पास पहुंचने में। इतनी गरमी लग रही थी, स्विम भी नहीं कर पाए
सिंधुराज और गुस्से में
अगर ऐसा चलता रहा, तो में गुसे से फट जाऊंगा। कितनी सारी मछलीयां हमें छोडके चली गई हैं। हम सबके घर को देखो, तेजाब सबकुछ धीरे-धीरे खतम कर रही हैं

हां हां सिंधुराज, मुझे भी अलर्ट आया है । यह मेरी खुद की हालत खराब है, दुसरो की क्या मदद करने जाऊं में?
अरे, आप ने क्या बात छेड़ दी बर्फी जी। मेरी भी हालत गंभीर है
समझ नहीं आता है की प्लास्टिक खा रहा हूं या खाना। त्वचा भी एसिड से जलती है और सामराज्य का तो मत ही पूछिए। कितने साथियों को हम खोते जा रहे, जाने आगे क्या दिन देखने पड़ेंगे
अरे सिंधु, में तो पिघल रहा और मेरे साथ पूरा का पूरा अंटार्कटिका भी। ये सब उस बिरहाली की गलती है।
मुझे भी तो देखो, पहले में बर्फ-महल में रहता था। मेरी क्या आन, बान, और शान थी। अब मेरे पास सिर्फ बर्फ की झुग्गी बची है

गलती बिरहाली की नहीं है बर्फी जी, समस्या जलवायु परिवर्तन है - हमारी पृथ्वी तप रही है, तापमान घातक तारीके से बढ़ रहा हैं। आप भी तो तापमान को 1.5 डिग्री के नीचे नियंत्रित नही कर पाए। इसमे बेचारी बिरहाली का क्या कसूर है?
तू कहा से आ गया, कार्बन? और अपना ज्ञान अपने पास रख । खुद पर नजर डाली

BANK
तू अपने बहुत देर कर दी। सब कुछ खतम हो गया। 100 करोड़ रूपए चोरी हो गए बैंक से, और सारे डकैत भाग गए। अगर आप हमारी मदद ना कर सके तो कौन करेगा?
मुझे तो हीट स्ट्रोक और सांस लेने में इतनी तकलीफ हो रही
मैं तो पिघलता जा रहा हूं
अरे, मैं कबसे के रहा हु , ये जलवायु परिवर्तन है । मगर मुझे डॉगी डॉगी बुलाकर नज़रअंदाज़ कर देते हैं सब लोग।
हमें तो जैसे ही संदेश मिला, हम निकल पड़े। हम सबकी तबियत बहुत खराब है। मेरी आंखें धूम कोहरा के कारण जल रही हैं, और मुझे बहुत कमजोरी है।
और मेरा शरीर जल रहा। ये कैसी बीमारी है?

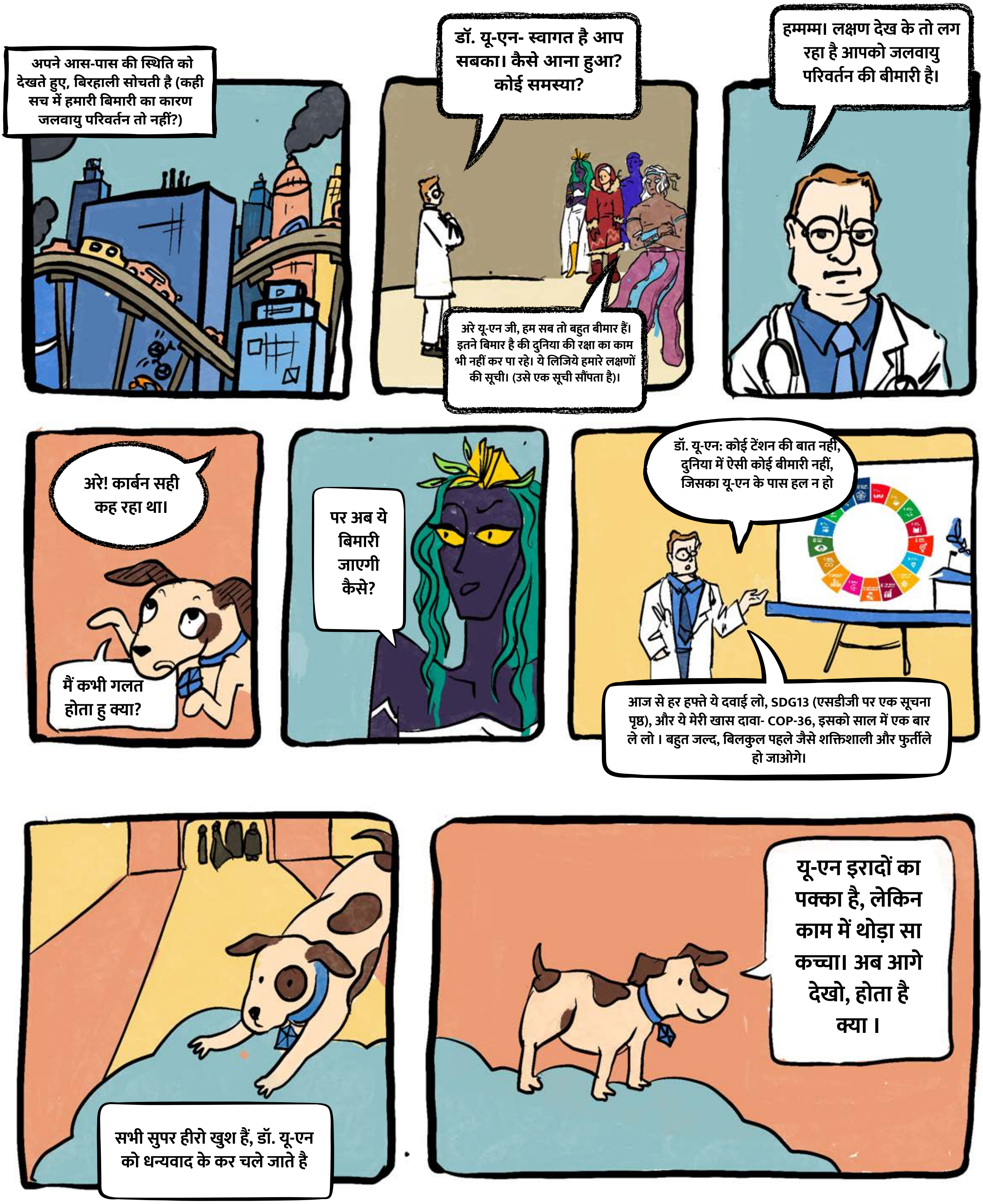

अपने आस-पास की स्थिति को देखते हुए, बिरहाली सोचती है (कही सच में हमारी बिमारी का कारण जलवायु परिवर्तन तो नहीं?)
डॉ. यू-एन- स्वागत है आप सबका। कैसे आना हुआ? कोई समस्या?
अरे यू-एन जी, हम सब तो बहुत बीमार हैं। इतने बिमार है की दुनिया की रक्षा का काम भी नहीं कर पा रहे। ये लिजिये हमारे लक्षणों की सूची। (उसे एक सूची सौंपता है)।
हम्मम्म। लक्षण देख के तो लग रहा है आपको जलवायु परिवर्तन की बीमारी है।
अरे! कार्बन सही कह रहा था।
मैं कभी गलत होता हु क्या?
पर अब ये बिमारी जाएगी कैसे?
डॉ. यू-एन: कोई टेंशन की बात नहीं, दुनिया में ऐसी कोई बीमारी नहीं, जिसका यू-एन के पास हल न हो
आज से हर हफ्ते ये दवाई लो, SDG13 (एसडीजी पर एक सूचना पृष्ठ), और ये मेरी खास दावा- COP-36, इसको साल में एक बार ले लो । बहुत जल्द, बिलकुल पहले जैसे शक्तिशाली और फुर्तीले हो जाओगे।
सभी सुपर हीरो खुश हैं, डॉ. यू-एन को धन्यवाद के कर चले जाते है
यू-एन इरादों का पक्का है, लेकिन काम में थोड़ा सा कच्चा। अब आगे देखो, होता है क्या ।

तभी एक प्राणी नामक एक नर्स कमरे में आते है

सिन्धुराज, विश्राम से उठकर, अपने मित्रों को देखकर बहुत प्रसन्न हुए: मेरे साथी!

हां, विकसित देश से ही सबसे ज्यादा ग्रीन हाउस गैस बनते है, और जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण यही है। इसलिए विकसित देशी को ज़िम्मेदारी लेनी पड़ेगी, और विकासशील देशी की मदद भी करनी पड़ेगी।

हम सभी 4 सुपरहीरो को विभिन्न अभियानों और गतिविधियों में शामिल देखते हैं।

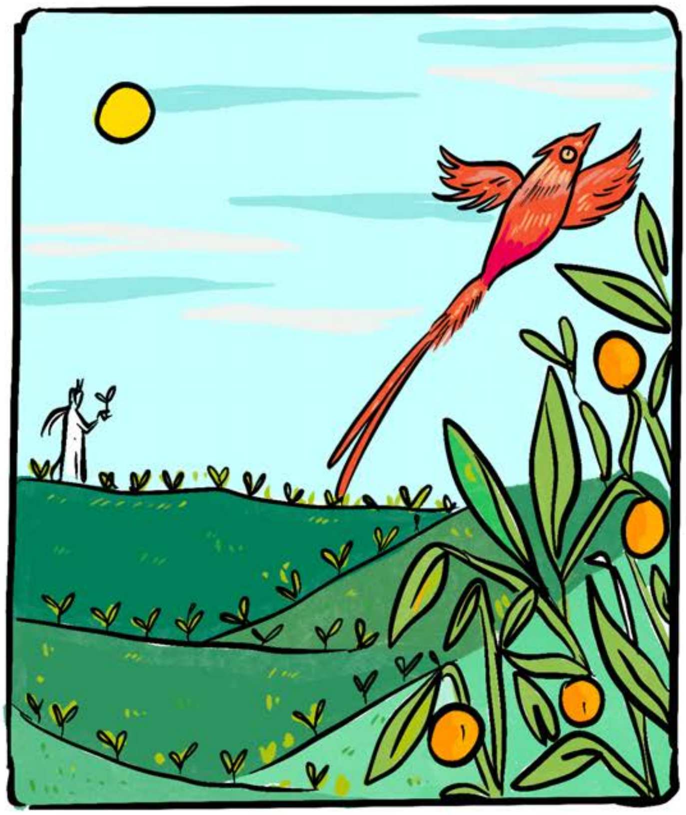

बिरहाली वनीकरण अभियान का नेतृत्व करती है।

वायु प्रदूषण के खिलाफ बालशाली चैंपियन।

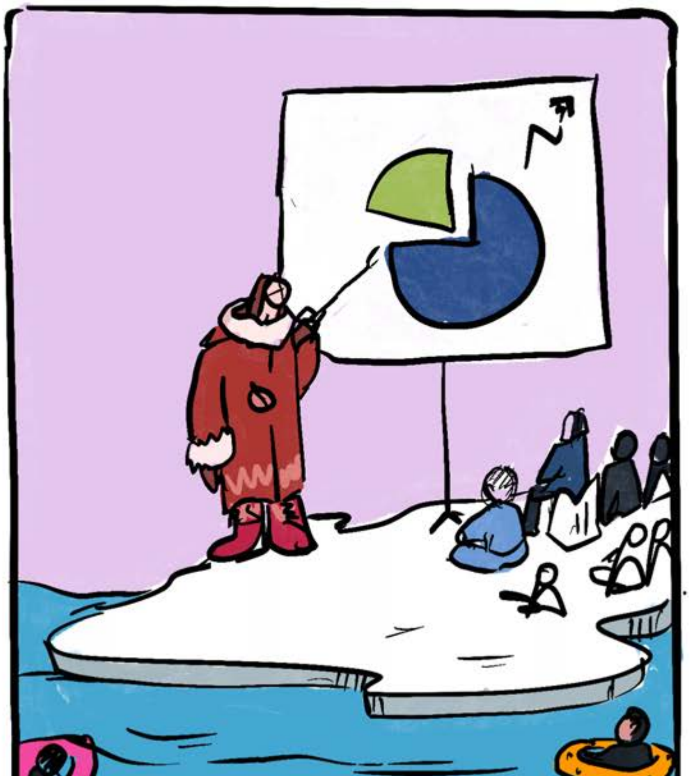

बरफिलामानुष उद्योगों को इससे होने वाले प्रदूषण की जिम्मेदारी लेने के लिए राजी करते हुए देखा जाता है।

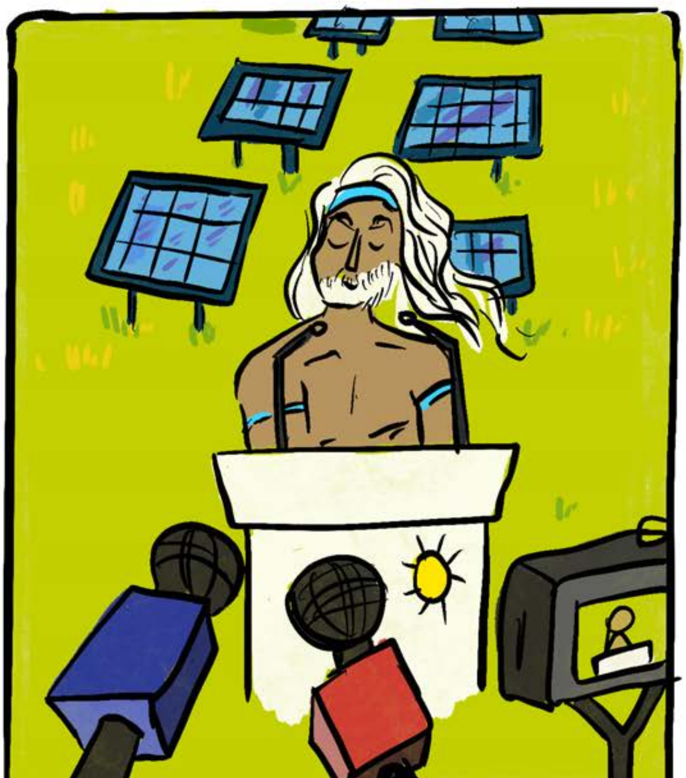

सिंधुराज सौर ऊर्जा संयंत्रों के उपयोग पर एक अभियान का नेतृत्व करते हैं और प्रेस को संबोधित करते हुए देखा जाता है।

वर्ष २०३७ :

हमने जलवायु परिवर्तन के खलनायक को मार गिराया। और हमारी शक्तियाँ भी वापस आ गई हैं।
अब मैं पिघल नही रहा, मेरा साम्राज्य भी सुरक्षित है
हमनें कर दिखाया!
हमारे समुद्र में प्लास्टिक, तेल या एसिड धीरें धीरें कम हो रही है। सारी मछलीयां कितनी खुश हैं।
तुम चारो का जवाब नहीं।
पर असली सुपरहीरो तो कार्बन ही है!